रजिस्ट्री सं. डी. (डी. एन.)-72 REGISTERED No. D. (D.N.)-72

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 6, 1984/माघ 17, 1905
No. 4] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 6, 1984/MAGHA 17, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

होमियोपैथी केन्द्रीय परिषद

शुद्धी-पत्र

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1984

संख्या 7-1/83-सी०सी०एच०.—भारत के असाधारण राजपत्र सं० 5 दिनांक 11 मई, 1983 के भाग III खण्ड 4 में प्रकाशित होमियोपैथी (डिग्री पाठ्यक्रम) विनियम, 1983 के हिन्दी अनुवाद में निम्नलिखित शुद्धियां की जाती हैं ।

1. "होमियोपैथी केन्द्रीय परिषद्" तथा "अधिसूचना" के बीच में "शैक्षिक विनियम" और जोड़ा जाय ।

2. इन विनियमों के नाम के आगे जहां भी "1980" छपा हो उसे "1983" पढ़ा जाय ।

3. पहला परिच्छेद, आखिरी पंक्ति में "बनाती" एवं "अर्थात्" के बीच में "है" पढ़ा जाय ।

भाग 1 (प्रारंभिक)

4. विनियम 2 (vi) की द्वितीय पंक्ति में "उरधारा" (I) को "उपधारा" (1) पढ़ा जाय ।

5. विनियम 2(vii) के आखिरी शब्द "है" को "हैं" पढ़ा जाय ।

6. विनियम 2(x) की तृतीय पंक्ति में "से" को "में" पढ़ा जाय ।

भाग 2 (पाठ्यक्रम)

7. विनियम 3(ii) की द्वितीय पंक्ति में "अस्पताल में और अस्पताल" को "अस्पताल में और यदि अस्पताल" पढ़ा जाय ।

भाग 3 (पाठ्यक्रम में प्रवेश)

8. विनियम 4(ख) की दूसरी पंक्ति में "जिसने" को "जिसमें" पढ़ा जाय ।

भाग 4 (पाठ्यचर्या)

9. विनियम 5(vi) में "लैना" को "लेना" पढ़ा जाय।

10. विनियम 5(X) की पहली पंक्ति में "निरोधक" को "विरोधक" पढ़ा जाय।

11. विनियम 5(X) की दूसरी पंक्ति के अन्त मे "ह" को "है" पढ़ा जाय।

भाग 5 (पाठ्य विवरण)

बी०एच०एम०एस० प्रथम परीक्षा (होमियोपैथी भेषजी)

सैद्धान्तिक

12. विनियम 6.1 की दूसरी पंक्ति के अन्त में "(भेषजशेष)" को "(भेषजकोष)" पढ़ा जाय।

13 विनियम 6.3 की पहली पंक्ति में "मापनाम" को "मापमान" पढ़ा जाय।

14. विनियम 6.7 की पहली पंक्ति में "रसायनो" के पहले "अकार्बनिक" और जोड़ा जाय तथा "वनसम्पतियों" को "वनस्पतियों" पढ़ा जाय।

15. विनियम 6.7 की अन्तिम पंक्ति में "को" को "की" पढ़ा जाय।

16. विनियम 6.8 (ख) (2) "(सेन्टीसीमल)" को "(शक्तिक)" पढ़ा जाय।

17. विनियम 6.9 की दूसरी पंक्ति में "के" को "को" पढ़ा जाय।

18. विनियम 6.14 की पहली पंक्ति में "संबंध" को "सम्बन्धी" पढ़ा जाय।

19. विनियम 6.15 की पहली पंक्ति के अन्त में "तनता" को "तनुता" तथा दूसरी पंक्ति के अन्त में "उदातीकरण" को "उदायीकरण" पढ़ा जाय।

प्रयोगात्मक

20. 2(क) (ii) की पहली पंक्ति में 30 के आगे "औषधि" पढ़ा जाय।

21. 8 की पहली पंक्ति में "अपरिकृत" को "अपरिष्कृत" पढ़ा जाय।

22. 9. की पहली पंक्ति में "सी०" को "एस०" पढ़ा जाय।

23. 12 के अन्त में "एक" को न पढ़ा जाय।

24. 14. (क) "उदासीकरण" को "उदायीकरण" पढ़ा जाय।

25. 15. की पहली पंक्ति में अध्ययन के बाद "के" पढ़ा जाय।

अभिज्ञान के लिए औषधियों की सूची

26. औषधि क्रमांक 1 "कोनाइट" को "एकोनाइट" पढ़ा जाय।

27. औषधि क्रमांक 10. "बैरापटा" को "बैरायटा" पढ़ा जाय।

शरीर रचना विज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान निदान पूर्व अवधि में सामान्य व्यक्ति का अध्ययन

28. अनुच्छेद दो की चौथी पंक्ति में स्थायन के आगे "जो" और जोड़ा जाय।

29. अनुच्छेद तीन की सातवीं पंक्ति में "आयोग्य" को "अयोग्य" पढ़ा जाय।

30. अनुच्छेद चार (6) की दूसरी पंक्ति में "कि" को "के" पढ़ा जाय।

31. पृष्ठ 7-अ आरंभिक लेक्चर (क) की पहली और दूसरी पंक्तियों में "कोशिका" एवं "कोषिकाएं" क्रमशः "कोशिका" एवं "कोशिकाएं" पढ़ा जाय।

32. ग (iii) में हृदय-कमनी को हृद-धमनी पढ़ा जाय।

33. ग (vi) में "हृदय-हृदय" को "हृदय-हृद" पढ़ा जाय।

34. घ (6) में "श्रणी" को "श्रेणी" पढ़ा जाय।

35. पृष्ठ-8

ङ (iii) में "फलके" को "पलकें" पढ़ा जाय।

36. पृष्ठ 9—मस्तिष्क नेत्र गेलक 6(क) में "निलय" को "निलम" पढ़ा जाय।

37. पृष्ठ 11 में क्रमांक 18 (iii) "स्केनो" को "एफीनो" पढ़ा जाय।

38. पृष्ठ 11 में क्रमांक 15 में "क्रनिक" को "क्रनिओ" पढ़ा जाय।

39. पृष्ठ 11 शीर्षक "मद" में "गई" के स्थान पर "जाने वाली" पढ़ा जाय।

40. पृष्ठ 11 के अन्त में क्रमांक 1 में "मिति" को "भिति" पढ़ा जाय।

41. पृष्ठ 12 आचार्य के नीचे "की" को न पढ़ा जाय तथा रचना के आगे "विज्ञान" और जोड़ा जाय।

42. पृष्ठ 12 क्रमांक 4 में "ओ" को "और" पढ़ा जाय।

43. पृष्ठ 13 क्रमांक 14 में "अनुकम्पी" को अनुकम्पनी तथा "कोइलियारक" को "कोइलियाक" तथा "महादागनो" को "महादामनी" पढ़ा जाय।

44. पृष्ठ 15 शरीर क्रिया विज्ञान के प्रथम अनुच्छेद की छठी पंक्ति में "होमियोपैथी" को "होमियोपैथ" पढ़ा जाय।

45. पृष्ठ 16, सैद्धान्तिक क्रमांक 2 की तीसरी पंक्ति में "द्रव" को न पढ़ा जाय, एवं क्रमांक 3 में "जैव" को "जीव" पढ़ा जाय।

46. पृष्ठ 16, क्रमांक 5 की छठी पंक्ति में "कोय्गशगुनेशन" को "कोज्यागुलेशन" पढ़ा जाय।

47. पृष्ठ 16, क्रमांक 6 "(कोडियो वाकुलर)" को "(कार्डियो वास्कुलर)" पढ़ा जाय।

48. पृष्ठ 16, क्रमांक 6 के अनुच्छेद एक की छठी पंक्ति में "शिशुओं" को "शिराओं" "मस्तिष्क" को "प्रमास्तिष्क", सातवीं पंक्ति में "हेपटिक" को "हेपाटिक" तथा नवीं पंक्ति में "शिशु" को "शिरा" पढ़ा जाय।

49. पृष्ठ 16, क्रमांक 7 की अन्तिम पंक्ति में "उडेमा" को "इडेमा" पढ़ा जाय।

50. पृष्ठ 16, क्रमांक 8 अनुच्छेद एक की तीसरी पंक्ति में "निःवशसित" को "निःश्वसित" तथा पांचवी पंक्ति में "तना" को "तनाव" पढ़ा जाय।

51. पृष्ठ 16, क्रमांक 9 अनुच्छेद एक की पांचवीं पंक्ति में "(डिफक्शन)" को "(डिफेक्शन)" तथा सातवीं पंक्ति में "विनिमय" को "विनियमन" पढ़ा जाय।

52. पृष्ठ 16, क्रमांक 10 (घ) में "संवदना" को "संवेदना" पढ़ा जाय।

53. पृष्ठ 17, क्रमांक 16 की पांचवीं पंक्ति में "क्षत्र" को "क्षेत्र" पढ़ा जाय।

54. पृष्ठ 17, शरीर क्रिया (प्रयोगात्मक) क्रमांक 2 की चौथी पंक्ति में "होमोलोबीन" को "हामोग्लोबीन" पढ़ा जाय।

55. पृष्ठ 17, क्रमांक 4 की चौथी पंक्ति में "अस्थिल" को "अस्थि" पढ़ा जाय।

होमियोपैथी मेटिरिया मेडिका

56. पृष्ठ 18, क्रमांक 3 की तीसरी पंक्ति में "अंतरण" को "अन्तर" पढ़ा जाय

57. पृष्ठ 18, क्रमांक 8 (आ) (1) की पहली पंक्ति में "प्रकृतिक" को "प्राकृतिक" पढ़ा जाय।

परिशिष्ट 1 (औषधियों की सूची)

58. पृष्ठ 18, औषधि क्रमांक 6 को "एलोसोकोट्राइना" को "एलोसोकोट्इमा" तथा क्रमांक 30 का "औटम" को "ओटम" पढ़ा जाय।

59. पृष्ठ 19, परिशिष्ट 3 औषधि क्रमांक 9 "वल्गेरी" को "वल्गैरिस" पढ़ा जाय।

60. पृष्ठ 20, पर औषधि क्रमांक 116 "सिमिजियम" को "सिजिजियम" पढ़ा जाय।

होमियोपैथी दर्शन का आर्गेनन और सिद्धांत बी० एच० एम० एस० प्रथम, द्वितीय और तृतीय परिक्षाए

61. पृष्ठ 20, अनुच्छेद 1 की 12वीं पंक्ति में "होमियोपैथी" को "होमियोपैथ" पढ़ा जाय।

62. अनुच्छेद 2 की तीसरी पंक्ति में "चिकित्सक" के पहले "वह" और जोड़ा जाय।

बी० एच० एम० एस० प्रथम परीक्षा

63. पृष्ठ 20, अनुच्छेद 1 की दूसरी पंक्ति में "से पूर्ण" को "सम्पूर्ण" पढ़ा जाय।

बी० एच० एम० एस० द्वितीय परीक्षा

64. पृष्ठ 21, क्रमांक 3 की अन्तिम पंक्ति में "व्यवस्था" को "व्याख्या" पढ़ा जाय।

65. पृष्ठ 21 क्रमांक 4 की पहली पंक्ति में "हाजेज" को "हयूजज पढ़ा जाय।

66. पृष्ठ 21, क्रमांक 2 की तीसरी पंक्ति "उत्पव" को "उत्पन्न" पढ़ा जाय।

67. पृष्ठ 23, जीवाणु विज्ञान के प्रथम अनुच्छेद के नीचे से ऊपर का प्रथम पंक्ति में "प्रमुखो" को "प्रमुख" पढ़ा जाय।

68. पृष्ठ 23, क्रमांक 3 (विकृति विज्ञान) (ख) की दूसरी पंक्ति के शुरू में "जब इसमें" और जोड़ा जाय तथा दूसरी पंक्ति में "अव्यवस्था" को "अवस्था" पढ़ा जाय।

69. पृष्ठ 23, क्रमांक 3 (ग) के अनुच्छेद एक की आठवीं पंक्ति में "चापड़ा" को "चोपड़ा" पढ़ा जाय।

70. पृष्ठ 24, क्रमांक 3 व्यवहार आयुर्विज्ञान के अनुच्छेद की सातवी पंक्ति में "शक्र" को "शुक्र" तथा आठवीं पंक्ति में "गर्भरवास" को "गर्भस्राव" पढ़ा जाय।

71. पृष्ट 24, विष विज्ञान के प्रथम अनुच्छेद की पहली पंक्ति में "विषयों" को "विषों" पढ़ा जाय।

72. पृष्ठ 24, में निरोधक और समाजिक आयुर्विज्ञान तथा परिवार कल्याण शीर्षक के दूसरे अनुच्छेद की पांचवीं पंक्ति में "परिक्षेत्र" को "परिवार" पढ़ा जाय।

73. पृष्ठ 25, पर्यावरणीय सफाई खण्ड (घ) की दूसरी पंक्ति में "जेल" को "जल" पढ़ा जाय।

74. पृष्ठ 25, क्रमांक 5 आयुर्विज्ञानिक सांख्यिकी की चौथी पंक्ति में "ठण्डी" को "ठण्डा" पढ़ा जाए, छठी पंक्ति में पशुरोग के आगे "तथा" जोड़ा जाय और दसवी पंक्ति में "है" न पढ़ा जाय।

75. बी० एच० एम० एस० द्वितीय पृष्ट 26, क्रमांक 1 की आठवीं पंक्ति में "तैल्विस" को "पैल्विस";

"[illegible]" को "कार्टिलेज", दसवीं पंक्ति में "[illegible]" को "अंगोछेदन" पढ़ा जाय तथा [illegible] के आगे "क्षतियां" [illegible] जाय।

[illegible] बी० [illegible] एम० तृतीय पृष्ठ 26 क्रमांक 2 [illegible] "[illegible]" को "[illegible]" पढ़ा जाय। तथा क्रमांक 3 की सातवीं प[illegible] "[illegible]" को "[illegible]" पढ़ा जाय।

[illegible] पृ[illegible] [illegible] 2 की तीसरी पंक्ति के शुरू में "[illegible]" के आगे "अ" और जोड़ा जाय तथा टिप्पण 3 के दूसरे अनुच्छेद में "प्रश्नों" को "[illegible]" पढ़ा जाय।

अनुच्छेद।

78. पृष्ठ [illegible], प्रश्न पत्र 1, अनुच्छेद की तीसरी पंक्ति में "[illegible]" को "स्थिस्ट" पढ़ा जाय।

79. पृष्ठ [illegible] प्रश्नपत्र 2, तृतीय अनुच्छेद की पहली पंक्ति में "[illegible]" को "के" "ही" को "वही" तथा दूसरे अनुच्छेद की पहली पंक्ति में "वैशानुगत" को "वंशानुगत" पढ़ा जाय।

80. बी० एच० एम० एस० द्वितीय पाठ्यक्रम पृष्ठ 27, अनुच्छेद [illegible] की तीसरी पंक्ति में "विषयताएं" को "[illegible]" पढ़ा जाय।

81. बी० एच० एम० एस० तृतीय पाठ्यक्रम पृष्ठ 27, अनुच्छेद 2 की दूसरी पंक्ति में "नवोत्पत्ति" को "नवोत्पत्ति" पढ़ा जाय। टिप्पण 1 की दूसरी पंक्ति में "निरीक्षक" को "निरोधक" तथा टिप्पण 3 की पहली पंक्ति में "रोगीवत्त" को "रोगीवृत" पढ़ा जाये।

82 पृष्ठ 27 "प्रशनहत्र" 2" को "प्रश्नपत्र 2" पढ़ा जाय। प्रश्नपत्र 2 के पहले अनुच्छेद की पहली पंक्ति में "जिस" को न पढ़ा जाय। तीन की तीसरी पंक्ति में अत: के बाद "वे" जोड़ा जाय और पक्ति चार में "होमियोपैथी" को "होमियोपैथ" पढ़ा जाय। और अनुच्छेद चार की चौथी पंक्ति में "उत्तरार्थ" को "उत्तरार्ध" पढ़ा जाय।

83. पृष्ट 28, टिप्पण 1 की दूसरी पंक्ति में "निरधिक" को "निरोधक" "[illegible]" को "[illegible]" टिप्पण 2 की दूसरी पंक्ति में ""उद्देश्य" को "उद्देश्य", चौथी पंक्ति में "[illegible]" को "हो" तथा टिप्पण 3 की पहली पंक्ति में [illegible] को "[illegible]" पढ़ा जाय।

84. पृष्ठ 28, प्रश्नपत के आगे "1" जोड़ा जाये तथा दूसरी पंक्ति में "न्यूनतम" को "न्यूनता" पढ़ा जाय।

भाग 6 (परीक्षा)

85. विनियम 7 (i) की तीसरे अनुच्छेद की चौथी पंक्ति में "क" को "के" तथा बीसवीं पंक्ति में "के" को "से" पढ़ा जाय।

86. विनियम 7 (vi) तालिका की पांचवीं पंक्ति में "29" को "20" तथा छटी पंक्ति में "अपथिन" को "अपेक्षित" पढ़ा जाय।

87. विनियम 8 (ii) की तालिका के तीसरे पंक्ति में 'विषय" को "विष" पढ़ा जाये।

88. विनियम 9 (7) की पांचवीं पंक्ति में, "सावियों" को "साथियों" तथा "जाएग" को "जाएंगे" पढ़ा जाय।

89. विनियम 10 (i) (क) की दूसरी पंक्ति में "पूर्ण" को "पूर्व" पढ़ा जाय।

90. विनियम 10 (xii) (vi) की नवीं पंक्ति के अन्त में "पहली बार" के बाद "प्रवृत" और जोड़ा जाय।

डा० पी० एल० वर्मा, सचिव

CENTRAL COUNCIL OF HOMOEOPATHY

CORRIGENDUM

New Delhi, the 6th February, 1984

No. 7-1/83-CCH.—In the Notification No. 7-1/83-CCH, dated the 11th May, 1983 of the Central Council of Homoeopathy published in Part-III Section 4 of the Gazette of India Extraordinary No. 5 dated the 11th May, 1983: The following corrections are made in the English version viz —

B.H.M.S. Direct (Degree) Course

PART IV (The Curriculum)

1. Page 35. Regulation-5.(xiv) in line one the w[illegible] "[illegible]" may be read "[illegible]

PART V (Syllabus)

First B.H.M.S. Examination Homoeopathic Pharmacy

2. Page 36. Theoretical 11. in line one the word "abreviations" may be read "abbreviations".

3. Page 36. 12. in line one word "Hom" may be read "Homoeo".

List of Drugs for Identification

4. Page No. 37. Medicine No. 18. "Cantheris" may be read "Cantharis".

5. Page No. 37. Medicine No. 54 "Pulsatilia" may be read "Pulsatilla".

6. Page No. 37. Medicine No. 69. "Vertrum" may be read "Veratrum".

Anatomy and Physiology

7. Page 37. Para four (ii) in line one the word "Correlote" may be read "Corelote".

Anatomy

8. Page 38. Para one in line nine the word "Vicera" may be read "Viscera".

Theoretical

9. Page 39. Para four 1 (b) in line six the word "Coralation" may be read "Corelation".

10. Page 39. Para four 1 (b)(i) in line two the word "Throax" may be read "thorax".

11. Page 39. Para iv (D) (b)(iii) in line one the word "Venons" may be read "Venous".

12. Page 40. (e) Head and neck (ii) in line three "of" may be added between "repair" and "muscles".

13. Page 40 (e) (iv) in line two " , " may be inserted after tube.

14. Page 40 (e) (vi) in line three the word "larynago" may be read "Laryngo".

15. Page 40 (e) (vii) " . " may be inserted after vertebrae.

16. Page 40 (e) (viii) in line five " , " may be inserted after thyroid.

17. Page 40 (e) (xii) in line one word "Parootid" may be read "Parotid".

18. 40. (f) "i(v) may be read "(iv)", word "meduller" may be read "medullar" and " , " may be inserted after medullar.

Practical

19. Page No. 40. 1. in line three the word "proceed" may be read "Proceeding".

Brain-Bulbus Oculi

20. Page No. 41. In table the word "Examiminer" may be read "Examiner" and the word "Disseqetion" may be read "Dissection".

21. Page 41. 3., "," may be inerted after surface in line two and three.

22. Page 41. 4. Cerebrum. (c) the word "chordiae" may be read "Chordae".

23. Page 41. 7. the word "Assendig" may be read "Ascending".

Head and Neck

24. Page 41. In the last the word "Denonstra-or" may be read "Demonstrator".

25. Page 41. 3. Occipital Region—(i) the word "If" may be read "of".

26. Page 41. 8. " . " may be inserted after Post.

27. Page 41. 10. (iii) the word "Pharyx" may be read "Pharynx".

Thorax

28. Page 42. 1. The word "Anteriathoracic" may be read "Anteriorthoracic".

29. Page 42. 8. " , " may be inserted after nerves.

Abdomen

30. Page 42. 7. in line one the word "Axia" may be read "Axis".

Interior Extremity

31. Page 44. 13. the word "and" may be deleted".

Physiology

32. Page 44. in para three in line two the word "Physi-logy" may be read "Physiology".

Theoretical

33. Page 44. In (2) last word "Ensymes" may be read "Enzymes".

34. Page 44. In (3) in line three the word "electroytes" may be read "electrolytes".

35. Page 45. In (7) in line one word "Reticule" may be read "Reticulo".

36. Page 45. In (10) (d) the word "Cutenous" may be read "Cutaneous".

37. Page 45. In (16) in line nine the word "recticular" may be read "reticular".

Physiology (Practical)

38. Page No. 45. Paper II. In line two the word "metaoalism" may be read "metabolism" and in line four the word "Ensymes" may be read "Enzymes".

Psychology

39. Page 46. (d) in line two " . " may be inserted after unconscious.

Homoeopathic Meteria Medica

40. Page 46. In para 6. in last line the word "teachine" may be read "teaching".

Appendix I

41. Page 47. Medicine No. 5. "Alum" may be read "Allium".

42. Page 47. Medicine No. 49. "Niteric" may be read "Nitric".

Appendix II

43. Page 48. Medicine No. 27 "Caulophvllum". may be read "Caulophyllum".

44. Page No. 48. Medicine No. 116 "Sysygium" be by read "Sygygium".

I—B.H.M.S. Examination

45. Page 49. Para one—para eight the word learing may be read "learning".

Pathology, Bacteriology and Parasitology

46. Page 51. In para 5. In line four the word "Undelying" may be read "underlying".

Theoretical

1. Bacteriology. Page 51.

47. In para one in line ten the word "micobactanium" may be read "mycobactarium".

2. Parasitology Page 51.

48. In para three last line the word "sehisiosomes" may be read "Schistosomes".

3. Pathology Page 51.

49. In para (a) in line five "," may be inserted after tumours and in line twelve (page 52) the word "clothing" may be read clotting".

50. Page 52. (c) para two in line two the word "specialiy" may be read "Specially".

51. Page 52. Morbid Histology—para one line four " , " may be inserted after dicitis and in line 7-8 the word "Adenocracinema" may be read "Adenocracinoma".

Preventive and Social Medicine & Family Welfare

52. Page 53. 2. Physiological hygiene—In para one "(a)" may be added for numbering.

III—B.H.M.S. Course

53. Page 55. Obstetrics—para one in line ten the word "sofe" may be read "soft" and in line thirteen the word "Puepedium" may be read "puerperium".

Part VI (Examination)

54. Page 57. Under heading "Subjects" in line two word "Medical" may be read "Medica".

55. Page 58. Under heading total the last figure under full marks and passmarks. "200 and "100" may be substituted by "150 and "75" respectively.

56. Page 58. under heading "subjects" in line four the word "Medical" may be read "Medica".

57. In the tables the word "subject" may be read "subjects" wherever appears as heading.

58. Page 59. In the last line in the table the word "Eateria" may be read "Materia".

DR. P. L. VERMA, Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1984